नईदुनिया

अमेरिका और ईरान होर्मुज के ताजा हालात की नहीं दे रहे सही जानकारी : पूर्व राजनयिक जोई हुड

वाशिंगटन/तेहरान

अमेरिका के पूर्व राजनयिक जोई हुड ने कहा कि होमुर्ज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट आफ होर्मुज) की स्थिति के बारे में न तो वाशिंगटन और न ही तेहरान पूरी तरह सही जानकारी दे रहे हैं। हुड ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप अकसर कहते हैं कि यह जलमार्ग खुला है। उनका यह कहना पूरी तरह सही नहीं है। ईरान का यह कहना भी पूरी तरह सही नहीं है कि उन्होंने तेहरान ने इसे बंद कर दिया है।

रिपोर्ट के अनुसार, हुड ने कहा कि ईरान के पास इस जलमार्ग को पूरी तरह से बंद करने के लिए जरूरी साधन नहीं हैं। उन्होंने कहा, होर्मुज किसी हाइवे जैसा नहीं है, जहां आप कोई गेट लगा दें या शिपिंग रोकने के लिए कोई रुकावट खड़ी कर दें। ईरान दबाव बनाने के लिए बिना हथियारों वाले कमर्शियल जहाजों को धमकाता है और फिर उन पर मिसाइलें दागता हैं।

हुड ने कहा कि कुछ जहाज़ अपने ट्रांसपोंडर बंद कर देते हैं रात में यात्रा करते हैं और ओमान के तट के करीब से गुजरते हैं। अमेरिकी सेना अपने पास मौजूद संसाधनों से उनकी सुरक्षा करने की कोशिश करती है। इस बीच ईरान के उप विदेशमंत्री काजिम गरीबाबादी ने कहा कि ओमान के साथ हुए अस्थायी ट्रांजिट समझौते के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है। इस जलमार्ग को पूरी तरह खोलने से पहले वाशिंगटन को समझौता ज्ञापन के तहत किए गए अपने वादों को पूरा करना होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि जलडमरूमध्य के अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र से सभी बारूदी सुरंगें हटाकर नष्ट कर दी गई हैं और तेहरान को चेतावनी दी गई है कि नई बारूदी सुरंगें बिछाने वाले किसी भी जहाज को नष्ट कर दिया जाएगा। उधर, वेसल ट्रैकिंग सर्विस (टैंकर ट्रैक्स डाट काम) के मुताबिक, ओमान की खाड़ी में जहाज से जहाज (एसटीएस) ट्रांसफर के कम से कम 20 मामले सामने आए हैं। एसटीएस ट्रांसफर में समुद्र के बीच एक जहाज से दूसरे जहाज में सीधे कार्गो पंप किया जाता है। इसका इस्तेमाल अकसर कार्गो के मूल स्थान को छिपाने या प्रतिबंधों वाले या ज्यादा जोखिम वाले इलाकों में बंदरगाह पर जाने से बचने के लिए किया जाता है।

एक्स पर एक पोस्ट में कंपनी ने बताया कि ईरान को छोड़कर इस क्षेत्र के लगभग हर देश से आने वाले 25 मिलियन बैरल कच्चे तेल और अन्य रिफाइंड उत्पादों का हिसाब रखा गया है। टैंकर ट्रैकर्स ने बाद में बताया कि उसने पांच और ट्रांसफर मामलों की पहचान की है, जिनमें ईरान की लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) का मामला भी शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

इटली में सैकडों साल पुराने कुएं में मिले महिला-पुरुष के कंकाल

रोम। इटली में पुरातत्वविदों को कुएं की गहराई से एक पुरुष और एक महिला के कंकाल बरामद हुए हैं, जो करीब 2500 साल पुरानी होने का दावा किया जा रहा है। खुदाई में मिली चीजों ने प्राचीन एट्रस्कन सभ्यता के धार्मिक अनुष्ठानों को लेकर नई दिलचस्पी पैदा कर दी है। महिला और पुरुष के कंकाल के अलावा तांबे और टिन से बने कांस्य की महिला मूर्तियों के टूटे हुए हिस्से और एक दुर्लभ कांस्य प्लेट भी मिली है। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह कुआं केवल पानी जमा करने के लिए नहीं बनाया गया था, बल्कि इसका इस्तेमाल धार्मिक गतिविधियों के लिए भी किया जाता रहा होगा। यह पुराना कुआं आधुनिक इटली के बोलोन्या शहर के बाहरी इलाके में मिला है। करीब पांचवीं शताब्दी ईसा पूर्व में इस क्षेत्र में एट्रस्कन लोगों ने काइनुआ नाम का शहर बसाया था। कुआं इसी प्राचीन शहर के एक धार्मिक स्थल के पास मिला है। उस स्थान पर यूनी नाम की देवी की पूजा की जाती थी। एट्रस्कन सभ्यता में यूनी को महत्वपूर्ण देवी माना जाता था और उनकी तुलना प्राचीन रोम की देवी जूनो से की जाती है। कुएं से मिली कांस्य मूर्तियां भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। इनमें महिलाओं या युवतियों को आकर्षक वस्त्रों और बारीक सजावट के साथ दर्शाया गया है। पुरातत्वविदों का मानना है कि ये मूर्तियां किसी उच्च सामाजिक वर्ग की महिलाओं का प्रतीक हो सकती हैं या फिर स्वयं देवी का रूप दर्शाती हों। यह संभावना भी जताई जा रही है कि युवा महिलाएं इन्हें देवी यूनी को चढ़ावे के रूप में लेकर आती रही हों। मूर्तियों के जानबूझकर तोड़े जाने की भी आशंका है, क्योंकि प्राचीन धार्मिक परंपराओं में किसी वस्तु को तोड़कर देवता को समर्पित करने के प्रमाण मिलते हैं। कुएं से मिली कांस्य प्लेट ने भी शोधकर्ताओं का ध्यान खींचा है।

यूक्रेन का समर्थन जारी रहने तक ईयू के साथ रचनात्मक बातचीत असंभव : रूसी विदेश मंत्रालय

एजेंसी मास्को । रूसी विदेश मंत्रालय के सर्वोच्च राजनयिक अलेक्जेंडर ट्रोफिमोव ने कहा है कि जब तक यूरोपीय देश यूक्रेन और कीव का समर्थन करते रहेंगे, तब तक रूस और यूरोप के बीच रचनात्मक बातचीत संभव नहीं है। रूसी समाचार एजेंसी रिया नोवोस्ती से बातचीत में अलेक्जेंडर ट्रोफिमोव ने पश्चिमी देशों पर रूस के खिलाफ आक्रामक और अनुचित कदम उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम का उद्देश्य रूस को रणनीतिक हार देना है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय देशों का मौजूदा लक्ष्य यूक्रेन की सरकार को समर्थन देना, रूस पर सैन्य दबाव बनाए रखना और इस दौरान अपनी सैन्य-औद्योगिक क्षमता को मजबूत करना है। ट्रोफिमोव के मुताबिक, जब तक यूरोपीय देशों का यह रुख कायम रहता है, तब तक किसी रचनात्मक मुद्दे पर बातचीत मुश्किल है। रूसी राजनयिक ने कहा कि मॉस्को के पास पश्चिमी यूरेशिया के बाहर भी कई सहयोगी और साझेदार हैं। रूस उनके साथ समानता और अविभाज्यता के सिद्धांतों के आधार पर यूरेशिया में एक व्यापक सुरक्षा ढांचा विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ेगा। ट्रोफिमोव का यह बयान रूस और यूरोपीय देशों के बीच यूक्रेन संघर्ष को लेकर जारी मतभेदों के बीच आया है। रूस लगातार पश्चिमी देशों की सैन्य और राजनीतिक मदद की आलोचना करता रहा है, जबकि यूरोपीय देश यूक्रेन के समर्थन को उसकी सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए जरूरी बताते हैं।

पाकिस्तान में मुनीर को असीम शक्तियां, मार्शल ला की ओर देश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख आसिम मुनीर की सत्ता की भूख थमने का नाम नहीं ले रही है। संसद

के उच्च सदन में कुछ ही घंटों के भीतर डिफेंस फोर्सेस आफ पाकिस्तान एक्ट 2026 जैसा कानून पास कराकर मुनीर ने अपनी ताकतों का ऐसा विस्तार कर लिया है, जो वहां के इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया। जिस जल्दबाजी में यह विधेयक पास हुआ, उसने पाकिस्तानी संसद की संप्रभुता और वहां के लोकतंत्र की बची-खुची साख पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस नए कानून के लागू होते ही आसिम मुनीर पाकिस्तान के सैन्य इतिहास के सबसे ताकतवर शख्स बन गए हैं। वे इस समय एक साथ तीन-तीन अहम पदों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। उनकी पहचान साल 2014 से 2016 के बीच तब बनी थी, जब वे उत्तरी क्षेत्रों के मेजर जनरल थे। उनके उस कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ की कोशिशें 200 से बढ़कर 371 के पार पहुंच गई थीं। इसी ट्रैक रिकार्ड के दम पर वे पहले सैन्य खुफिया और फिर प्रमुख खुफिया एजेंसी के प्रमुख बने। जब इमरान खान ने उन्हें 8 महीने में खुफिया एजेंसी प्रमुख के पद से हटाया था, तो शायद किसी ने नहीं सोचा था कि मुनीर इतनी जोरदार वापसी करेंगे।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी प्रमुख का मॉस्को दौरा रूसी सुरक्षा एजेंसियों से अहम् बातचीतः क्रेमलिन

एजेंसी, मॉस्को। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के प्रमुख जॉन रैटक्लिफ के अचानक मॉस्को दौरे को लेकर क्रेमलिन ने बुधवार को अहम जानकारी दी। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रैटक्लिफ की यात्रा के दौरान रूस और अमेरिका की सुरक्षा एजेंसियों के बीच बातचीत हुई। हालांकि, उन्होंने बातचीत के विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी देने से इनकार कर दिया।

रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) और तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू ने बताया कि पेस्कोव ने मॉस्को में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि रैटक्लिफ के दौरे के दौरान दोनों देशों की विशेष एजेंसियों के जरिए संपर्क हुआ था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और रैटक्लिफ के बीच कोई मुलाकात नहीं हुई। उनके मुताबिक, फिलहाल दोनों राष्ट्रपतियों के स्तर पर किसी बातचीत की योजना भी नहीं है।

रैटक्लिफ के दौरे की खबर उस समय सामने आई जब फ्लाइट-ट्रैकिंग डेटा में अमेरिकी वायुसेना का सी-17ए ग्लोबमास्टर ढ्ढढ्ढ विमान मॉस्को के व्नुकुवो एयरपोर्ट पर पहुंचता दिखाई दिया। विमान इससे पहले लातविया की राजधानी रीगा गया था और उससे पहले अमेरिका के मैरीलैंड स्थित जॉइंट बेस एंड्रयूज के पास से रवाना हुआ था। रिपोर्टों के मुताबिक, विमान मंगलवार शाम मॉस्को से रवाना होकर रीगा लौट गया। इसके बाद अमेरिकी मीडिया ने सूत्रों के हवाले से बताया कि सीआईए प्रमुख बैठकों के लिए मॉस्को में मौजूद थे। अमेरिकी अधिकारियों या सीआईए ने इस दौरे पर आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की है। पेस्कोव ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति को सुरक्षा एजेंसियों के बीच हुई बातचीत की जानकारी दी गई थी। उन्होंने इस संपर्क को 'सकारात्मक घटना और सकारात्मक प्रक्रिया' बताया। हालांकि, उन्होंने कहा कि अभी यह आकलन करना जल्दबाजी होगी कि बातचीत से रूस-अमेरिका संबंधों के 'गहरे संकट' को दूर करने की व्यापक प्रक्रिया पर कोई प्रभाव पड़ेगा या नहीं। मीडिया रिपोर्टों में इस बातचीत के संभावित विषयों के तौर पर यूक्रेन में शांति प्रक्रिया,

बंदियों से जुड़े मुद्दे, ईरान से संबंधित घटनाक्रम और रणनीतिक स्थिरता जैसे मुद्दों का उल्लेख किया गया है। हालांकि, क्रेमलिन ने इन विषयों की पुष्टि नहीं की है। गौरतलब है कि, रैटक्लिफ का मॉस्को दौरा साल 2021 के बाद सीआईए प्रमुख की रूस यात्रा का पहला ज्ञात मामला है।

नवंबर, 2021 में तत्कालीन सीआईए निदेशक विलियम बर्न्स ने मॉस्को का दौरा किया था। रैटक्लिफ और रूस की विदेशी खुफिया सेवा (एसवीआर) के प्रमुख सर्गेई नारिशकिन के बीच मार्च, 2025 में फोन पर बातचीत हुई थी। इससे पहले नवंबर, 2022 में बर्न्स ने अंकारा में नारिशकिन से मुलाकात की थी। उस बैठक में परमाणु तनाव बढ़ने के जोखिम और हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिकों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई थी। रैटक्लिफ की ताजा मॉस्को यात्रा ऐसे समय में हुई है जब रूस और अमेरिका के बीच संबंधों में तनाव के बावजूद दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियों के बीच संपर्क बनाए रखने की कोशिशें जारी हैं।

विजयपुरा झील में मां और पांच बच्चों के शव मिले

एजेंसी, विजयपुरा। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां भूतनाल झील में एक महिला और उसके पांच बच्चों के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और शुरुआती तौर पर घटना को आत्महत्या से जोड़कर देखा जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान 35 वर्षीय शोभा और उनके बच्चों विद्या (15), सुवर्णा (13), तिप्पराया (12), सानिका (10) और विकास (6) के रूप में हुई है। बुधवार सुबह करीब पौने नौ बजे पुलिस को सूचना मिली कि भूतनाल झील में छह शव तैरते हुए दिखाई दिए हैं। इसके बाद पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सभी शवों को बाहर निकाला।

विजयपुरा ग्रामीण थाने में 24 अगस्त को शोभा के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत महिला के पति मल्लिकार्जुन जलगेरी ने दर्ज कराई थी। उन्होंने पुलिस को बताया था कि घरेलू विवाद के बाद शोभा बच्चों के साथ घर से चली गई थी। पुलिस के मुताबिक, शोभा सुबह करीब छह बजे चार बच्चों के साथ घर से निकली थी। इसके बाद वह एक छात्रावास पहुंची, जहां से अपने सबसे छोटे बेटे को भी साथ ले गई। बताया गया कि छह वर्षीय बच्चा सुनने में असमर्थ था। पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण निंबार्गी ने बताया कि महिला और बच्चे घर से निकलने के बाद अपने मोबाइल फोन घर पर ही छोड़ गए थे, जिसके कारण उनकी लोकेशन का पता लगाने में परेशानी हुई। पुलिस लगातार उनकी तलाश कर रही थी, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका।

नेपाल में पौराणिक महत्व की बरुण नदी में जलविद्युत परियोजना का विरोध

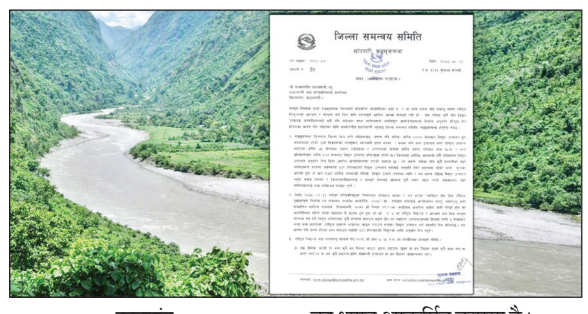

काठमांडू

नेपाल में पौराणिक महत्व की बरुण नदी में जलविद्युत परियोजना का विरोध शुरू हो गया है। जिला समन्वय समिति खांदवारी और संखुवासभा ने प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद कार्यालय को लिखे पत्र में धार्मिक और पौराणिक महत्व की बरुण नदी में जलविद्युत परियोजना का निर्माण ना कराने का आग्रह किया है। यह परियोजना संखुवासभा जिले के भोटखोला गाउंपालिका के स्याक्सिला स्थित मकालू-बरुण राष्ट्रीय निकुंज तथा संरक्षण क्षेत्र में बरुण नदी पर प्रस्तावित है।

समिति ने 132 मेगावाट क्षमता वाली लोअर बरुण खोला जलविद्युत परियोजना के निर्माण की अनुमति नहीं देने का आग्रह किया है। जिला समन्वय समिति के प्रमुख सुमन शाक्य ने कहा कि बरुण नदी धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है। इसका संरक्षण आवश्यक है। समिति के अनुसार, भोटखोला गाउंपालिका की 13वीं कार्यपालिका बैठक ने भी वार्ड नंबर 4 में आने वाली बरुण नदी को धार्मिक विरासत के रूप में संरक्षित करने तथा मकालू-बरुण राष्ट्रीय निकुंज एवं संरक्षण क्षेत्र के भीतर जलविद्युत निर्माण रोकने का निर्णय लिया था। जिला समन्वय समिति ने गाउंपालिका के इस निर्णय का समर्थन करते हुए संबंधित निकायों का ध्यान आकर्षित कराया है।

समिति के अनुसार, संखुवासभा में अरुण नदी को छोड़कर विभिन्न नदियों से करीब 6,000 मेगावाट बिजली उत्पादन की क्षमता है। वर्तमान में राष्ट्रीय प्रसारण लाइन में करीब 75 मेगावाट बिजली जुड़ी हुई है, जबकि अरुण नदी से करीब 3,576 मेगावाट बिजली उत्पादन की प्रक्रिया चल रही है। बरुण नदी में परियोजना का निर्माण होने से धार्मिक आस्था, पर्यावरण और पूरे क्षेत्र पर असर पड़ने की आशंका जताते हुए समिति ने राष्ट्रीय निकुंज तथा वन्यजीव संरक्षण अधिनियम सहित कानूनी प्रावधानों और संरक्षित क्षेत्र संबंधी नीतियों के अनुसार परियोजना की अनुमति नहीं देने का आग्रह किया है। संरक्षित क्षेत्र के भीतर भौतिक बुनियादी ढांचे के निर्माण संबंधी कार्यनीति के प्रावधानों को लागू करने का अनुरोध भी संबंधित निकायों से किया गया है। बरुण नदी को हिंदू और बौद्ध धर्मावलंबी धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, नदी से कई पौराणिक मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। बरुण नदी के किनारे हर वर्ष माघ महीने की पहली तारीख को लगने वाला मकर मेला भोट क्षेत्र और निचले इलाकों के निवासियों के बीच मुलाकात का महत्वपूर्ण अवसर भी प्रदान करता है।

अमेरिका में मिले करीब 3.8 करोड़ साल पुराने चार सांपों के जीवाश्म

न्यूर्याक। वैज्ञानिकों को करीब 3.8 करोड़ साल पुराने चार सांपों के जीवाश्म मिले हैं। अमेरिका के व्योमिंग में मिले इन दुर्लभ अवशेषों ने प्राचीन सांपों के जीवन और उनके व्यवहार को समझने का नया रास्ता खोला है। जांच के बाद इन जीवाश्मों को वैज्ञानिकों ने एक नई प्रजाति के रूप में पहचानते हुए इसका नाम हाइबरनोफिस ब्रेथाप्टी रखा है। इनमें करीब चार लगभग पूरे कंकाल शामिल हैं। खास बात यह है कि इनमें से तीन सांप एक साथ, बिल जैसी संरचना में दबे मिले, जबकि चौथा सांप उसी चट्टानी परत में थोड़ी दूरी पर मिला। ये जीवाश्म अमेरिका की व्हाइट रिवर फार्मेशन की चट्टानों से बरामद हुए हैं और इनकी उम्र शुरुआती ओलिगोसीन काल की बताई गई है। वैज्ञानिकों के अनुसार यहां की चट्टानों की न्यूनतम उम्र करीब 3.2 करोड़ वर्ष है। जिस बारीक रेतीली मिट्टी वाली चट्टान में सांपों के अवशेष मिले, उसके किसी छोटी बाढ़ के दौरान जमा होने की संभावना है। मिट्टी, पानी और ज्वालामुखीय राख से बने इस वातावरण ने जीवाश्मों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाई। इस खोज की सबसे दिलचस्प बात तीन सांपों का एक ही स्थान पर मिलना है।

बांग्लादेश में चोरों ने सोना-चांदी-नगदी नहीं इंसानी बाल चुराकर किया हैरान

वैन से 330 किलो बाल लूटे, कीमत करीब 1 करोड़ टका, दो आरोपी गिरफ्तार

ढाका

बांग्लादेश में चुआडांगा जिले में हथियारबंद बदमाशों ने एक वैन को रोककर 330 किलो इंसानी बाल से भरे 23 बोरे लूट लिए। चोरी किए गए बालों की कीमत करीब 1 करोड़ टका बताई जा रही है जो भारतीय रुपए में 79 लाख है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। घटना दमुरहुदा इलाके के कोशाघाटा की बताई जा रही है।

पुलिस के मुताबिक 7-8 हथियारबंद लोगों ने बालों से लदी वैन को रास्ते में रोका। इसके बाद बदमाशों ने वैन से बालों से भरे 23 बोरे उतारे और फरार हो गए। आमतौर पर चोरी की घटनाओं में सोना, नकदी, मोबाइल या दूसरे महंगे सामान निशाने पर होते हैं, लेकिन इस मामले में चोरों ने 330 किलो इंसानी बाल लूटे हैं। स्थानीय कारोबारियों के मुताबिक इन बालों की बाजार कीमत 1 करोड़ टका से ज्यादा है। यानी जिस चीज को आम लोग बेकार समझकर फेंक देते हैं, वह बांग्लादेश में एक बड़ा कारोबार बन चुकी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामला और भी दिलचस्प इसलिए है क्योंकि ये बाल किसी ब्यूटी पार्लर या दुकान से चोरी नहीं हुए थे। इन्हें एक फैक्टरी से प्रोसेसिंग के लिए ले जाया जा रहा था। बांग्लादेश हेयर प्रोसेसिंग स्माल बिजनेस कोआपरेटिव एसोसिएशन के अध्यक्ष के मुताबिक यह खेप करपसडांगा की एक फैक्टरी भेजी जा रही थी। इसमें 22 कारोबारियों का माल शामिल था यानी एक ही वैन में कई कारोबारियों की करोड़ों की खेप जा रही थी और बदमाशों ने रास्ते में लूट लिया।

पुलिस ने जांच में वैन चालक मोहम्मद शाहिदुल इस्लाम और फैक्टरी मैनेजर सनवार हुसैन संतु को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर चोरी किए गए 23 बोरे बरामद कर लिए गए हैं। हालांकि, वारदात में शामिल बाकी लोगों की तलाश जारी है। इस अजीबोगरीब चोरी ने स्थानीय कारोबारियों की चिंता बढ़ा दी है। उनका कहना है कि मामला सिर्फ 330 किलो बाल चोरी होने का नहीं है। सवाल यह भी है कि आखिर इतने बड़े माल को निशाना बनाने वाला गिरोह कितना बड़ा है और उसके पीछे कौन लोग हो सकते हैं।

चीन ने हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल किया तैयार, रेंज देखकर ट्रंप टेंशन में

यह उड़ान के दौरान बदल सकता है दिशा, दुश्मन को इसे रोकना मुश्किल

बीजिंग

आज हर देश अपनी सुरक्षा के लिए घातक से घातक हथियार बना रहा है, ताकि वह पीछे न रह जाए। खासतौर पर अमेरिका और चीन के बीच में ये दौड़ सबसे तेज है। इस बार चीन ने जो हथियार बनाया है, वह डोनाल्ड ट्रंप को टेंशन दे सकता है क्योंकि इसकी रेंज में उसके मिलिट्री हवाई अड्डे आ रहे हैं।

चीन ने ऐसे हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल तैयार किए हैं, जो हजारों किलोमीटर दूर मौजूद अहम विमानों पर हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें दाग सकते हैं। इसकी वजह से भविष्य में चीन और अमेरिका के बीच सैन्य संघर्ष की स्थिति

बनेगी, तो अमेरिकी हवाई अभियानों के लिए बड़ी चुनौती पैदा हो सकती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन हथियारों का इस्तेमाल सीधे लड़ाकू विमानों के बजाय उन विमानों को निशाना बनाने के लिए किया जा सकता है, जो दूर रहकर सैन्य अभियानों को मदद देते हैं। इनमें हवा में ईंधन भरने वाले टैंकर, हवाई निगरानी और कमांड विमान और उड़ते हुए कमांड सेंटर शामिल हैं। एचसीवी ऐसा हथियार है, जिसे मिसाइल की मदद से ऊंचाई तक पहुंचाने के बाद वह बेहद तेज गति से वातावरण में आगे बढ़ता है। इसकी खासियत यह है कि यह उड़ान के दौरान दिशा बदल सकता है। इससे इसे रोकना मुश्किल है और इसकी प्रभावी मारक क्षमता भी बढ़ सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक चीन की डीएफ-17 मिसाइल से छोड़ा गया हाइपरसोनिक ग्लाइड वाहन करीब 2414 किलोमीटर तक जा सकता है। यह दूरी चीन से अमेरिकी क्षेत्र गुआम तक करीब पहुंचती है, जहां अमेरिका का बड़ा सैन्य अड्डा है। वहीं डीएफ-27 मिसाइल की रेंज करीब 5000 मील बताई गई है, जो हवाई तक पहुंचने के लिए काफी है।

रिपोर्ट में इसे लंबी किल चेन बताया गया है। इसमें दूर के सेंसर से जानकारी मिसाइल तक पहुंचाने का पूरा सिलसिला शामिल है। दुश्मन इस सिलसिले को बीच में तोड़ने की कोशिश कर सकता है, लेकिन ये आसान नहीं होगा।

अमेरिकी वायुसेना का ई-4बी नाइटवाच भी ऐसे संभावित लक्ष्यों में शामिल बताया गया है। ये एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम और उड़ते कमांड पोस्ट जैसे विमानों को खतरे में डाल सकता है। ये विमान आमतौर पर सीधे युद्ध से दूर रहकर पूरी सैन्य कार्रवाई को सपोर्ट करते हैं। अमेरिकी रक्षा विभाग के अनुमान के मुताबिक 2024 तक चीन के पास कम से कम 3150 बैलिस्टिक मिसाइलें और करीब 300 जमीन से लान्च होने वाली क्रूज मिसाइलें थीं।

चीन के साथ-साथ अमेरिका भी लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों पर तेजी से काम कर रहा है। इससे साफ है कि भविष्य के संभावित हवाई युद्ध में लंबी दूरी के हथियार और दुश्मन के सपोर्ट विमानों को निशाना बनाने की क्षमता बेहद अहम भूमिका निभा सकती है।